दैनिक भास्कर

जयपुर में नशे का कारोबार:पंजाब पुलिस ने 6 करोड़ की दवाएं पकड़ीं

शहर में नकली और नशे का दवा कारोबार हर दिन बढ़ता जा रहा है। दूसरे प्रदेश की पुलिस जयपुर में आकर कार्रवाई कर रही हैं। मंगलवार को पंजाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शहर में 6 करोड़ रुपए की नशे की दवाएं पकड़ी हैं। इनमें कफ सीरप, ट्रोमाडोल इंजेक्शन और टेबलेट हैं।

मालूम हो कि 15 दिन पहले भी पंजाब पुलिस ने ही नकली दवाओं का जखीरा पकड़ा था। शहर के करधनी थाना इलाके में मकान नम्बर 23, मधुर विहार, अजमेर बायपास, जयपुर के बेसमेंट में नशे की दवाओं का प्रदेश भर में बेचान होता था। पंजाब पुलिस को क्लू मिला और मंगलवार को टीम जयपुर पहुंची।

यहां नशे के कारोबार में लिप्त आरोपी प्रेम प्रकाश के ठिकाने पर कार्रवाई की गई। पंजाब के एडीसीपी (लुधियाना) जसकरण सिंह, एसीपी (साउथ लुधियाना) जशनदीप सिंह, एसएचओ (डिलन) सुखदेव सिंह बराड़ के नेतृत्व में 15 सदस्य टीम ने छापा मारा और दवाएं जब्त की। साथ में ड्रग विभाग की टीम को भी लिया गया। मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेशभर में सप्लाई

अब तक की जांंच में सामने आया है कि जयपुर से प्रदेशभर में इनकी सप्लाई की जा रही थी। न केवल जयपुर बल्कि श्रीगंगानगर, अलवर से लेकर सीकर, बाडमेर तक इन दवाओं को भेजा जा रहा था। अब ड्रग विभाग और पुलिस के सामने चुनौती रहेगी कि वे बिल नंबर, दवा खरीद, बेचान संख्या और अन्य जानकारियों को जुटा कब तक सभी दोषियों तक पहुंचती है।

10.20 लाख टैबलेट अल्प्राजोलम, 80 हजार कोडिन कफ सिरप, 16 हजार ट्रामाडोल इंजेक्शन की खेप

पंजाब पुलिस की टीम ने मौके से 10.20 लाख टेबलेट अल्प्राजोलाम, 80 हजार कोडिन कफ सिरप, 16 हजार ट्रामाडोल इंजेक्शन की खेप बरामद की है। इसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपए बताई गई है। ड्रग कंट्रोलर राजाराम शर्मा ने बताया कि एनडीपीएस के अंतर्गत पंजाब पुलिस ने की यह कार्रवाई की और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत 4 करोड रुपए की दवाइयां भी जब्त की गई। कोटपूतली के निशा मेडिकोज पर भी कार्रवाई की गई और दवाएं जब्त की हैं।

बड़ा सवाल, नशीली दवाओं की इतनी बड़ी खेप जयपुर तक आ गई, कभी भी जांच नहीं हुई, क्यों?

राजस्थान की राजधानी तक प्रतिबंधित नशीली दवाओं की इतनी बड़ी खेप मिलने के बाद सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर इतनी दवाएं कहां से शहर के बीचों बीच पहुंच गई और ड्रग विभाग की नाक के नीचे बेची भी जाती रही। क्या ड्रग विभाग की ओर से की जा रही जांच सिस्टम फेल हो चुका है क्योंकि यह सब पिछले एक साल से होना सामने आया है।

Source: https://www.bhaskar.com/local/rajasthan/jaipur/news/punjab-police-caught-6-crore-drugs-127856428.html